सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 137 | जौनपुर, सोमवार, 12 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

बीजेपी-आरएसएस नफरत फैला रहे हैं, जबकि प्यार भारत के डीएनए में - राहुल

छत्तीसगढ़, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नफरत फैला रहे हैं जबकि प्यार इस देश के डीएनए में है। राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' दो दिन के विराम के बाद रविवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में फिर से शुरू हुई। रायगढ़ के केवड़ाबाड़ी चौक पर एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ''भविष्य की पीढ़ी के लिए एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां नफरत और हिंसा न हो।'' कांग्रेस सांसद ने दावा किया, ''वर्तमान में, देश के हर कोने में नफरत और हिंसा फैलाई जा रही है। कुछ लोग कहते हैं कि वे दूसरों को उनकी के आधार पर पसंद नहीं करते हैं जबकि कुछ लोग कहते हैं कि वे दूसरों को अन्य राज्यों से संबंधित

होने के आधार पर पसंद नहीं करते हैं। ऐसे विचार देश को कमजोर करेंगे। गांधी ने आरोप लगाया, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस नफरत फैला रहे हैं, जबकि प्यार इस देश के डीएनए में है। इस देश में अलग–अलग धर्म और भिन्न विचार रखने वाले लोग शांति और सौहार्द से रहते हैं।'' उन्होंने हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की। गांधी ने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य में गृहयुद्ध चल रहा है और केंद्र सरकार इस पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''जब मैं वहां (मणिपुर) गया, तो मेइती समुदाय के लोगों ने मुझसे कुकी सुरक्षाकर्मियों को न लाने के लिए कहा, जबकि कुकी ने मेइती सुरक्षाकर्मियों के लिए भी यही बात कही।'' उनके वाहन पर चढ़ने वाले बच्चों को टॉफी देते हुए, गांधी ने एक लड़की से पूछा कि क्या वह न्याय चाहती है या अन्याय। इस पर लड़की ने जवाब दिया, ''न्याय। लड़की ने गांधी से यह भी कहा कि वह ''मोहब्बत का हिंदुस्तान'' चाहती है वह भारत से बहुत प्यार करती है। सेना में भर्ती की 'अग्निवीर' योजना की आलोचना करते हुए गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी सुनिश्चित करेगी।

सिर्फ सनातनियों के नहीं बल्कि सभी धर्म और संस्कृति के हैं श्रीराम – जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष और सांसद जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि श्रीराम सिर्फ सनातन धर्म के नहीं, बल्कि उनके आदर्शों का पालन सभी धर्मों और संस्कृति के लोग करते हैं। इंडोनेशिया में सरकारी चौनल पर रोज रामलीला का प्रसारण होता है। थाईलैंड का राजपरिवार अपने को राम के आदर्श से जोड़ता है और द. कोरिया का राजपरिवार राम को अपना पुरखा मानता है। उच्च सदन में श्रीराम मंदिर के ऐतिहासिक निर्माण व प्राणप्रतिष्ठा विषय पर अल्पकालीन चर्चा में नड्डा ने कहा, पांच सौ साल में मंदिर के लिए सैकड़ों लोगों, संतों, निहंगों और सेवकों ने बलिदान दिया है। मुझे वह दिन याद है, जब भाजपा ने 1989 में पालमपुर अधिवेशन में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने की घोषणा की थी।

मैं किशोरावस्था से मंदिर निर्माण के संघर्ष को देख रहा हूं। नड्डा ने कहा, रोंगटे खड़े हो रहे हैं जब मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उन्हें इस विषय पर उच्च सदन में बोलने का मौका मिल रहा है। नड्डा ने कहा कि श्रीराम लोगों की व्यक्तिगत जिंदगी से लेकर सार्वजनिक जीवन के आदर्शों के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि अब देश के युवा इन्हीं आदर्शों के बल पर देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि उसके सदस्यों ने 'जय श्री राम' के नारे गुस्से और नफरत को दर्शाते हैं। उन्होंने भाजपा सांसदों से गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की पूजा करने की परंपरा को छोड़ने का आग्रह किया। गोगोई ने कहा, भगवान राम सबके हैं और हर समय सबके साथ हैं। 'रामराज्य' की परिभाषा का अर्थ है, एक ऐसा युग जब हर कोई खुश हो और कोई भी दुखी न हो। उन्होंने पूछा, क्या वर्तमान में देश के उत्पीड़ित, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक खुश हैं। गोगोई ने कहा, अनुसूचित जाति के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र के मंत्री जल्द ही अयोध्या की यात्रा करेंगे – फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य के कैबिनेट मंत्री जल्द ही उत्तर प्रदेश में स्थित अयोध्या का दौरा करेंगे, जहां 22 जनवरी को राममंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। हालांकि, फडणवीस ने इस संबंध में और कोई जानकारी साझा नहीं की। काशी और मथुरा में इसी तरह के मंदिर विवादों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि कानूनी ढांचे के तहत एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जाएगा जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने(उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद)अयोध्या में राममंदिर का निर्माण किया जाना सुनिश्चित किया। फडणवीस ने कहा कि मथुरा, काशी और अयोध्या, सभी पवित्र स्थान हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के बाद, लोगों के लिए मथुरा (कृष्ण जन्मभूमि) के विवाद के समाधान की उम्मीद करना स्वाभाविक है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने कहा, ''मेरा मानना है कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से राममंदिर का निर्माण हुआ, उसी तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि का भी समाधान सद्भाव और कानून के दायरे में होगा। फडणवीस ने कहा, ''काशी विश्वनाथ में एक नया गलियारा बनाया गया है। वहां पूजा की अनुमति भी दी गई है और अनुकूल माहौल देखा जा रहा है।

आर्मी गार्ड बटालियन के बदलाव समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में आर्मी गार्ड के रूप में तैनात सिख रेजिमेंट की 6वीं बटालियन के औपचारिक बदलाव समारोह में शामिल हुईं। समारोह के दौरान, सिख रेजिमेंट की 6वीं बटालियन ने औपचारिक आर्मी गार्ड बटालियन के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। उन्होंने अब 5वीं गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन को कार्यभार सौंप दिया।

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्र दिवस परेड में शामिल होती है आर्मी गार्ड बटालियन

बता दें कि सेना की विभिन्न पैदल इकाइयां बारी–बारी से राष्ट्रपति भवन में आर्मी गार्ड के रूप में काम करती हैं। आर्मी गार्ड बटालियन राष्ट्रपति भवन में औपचारिक गार्ड कर्तव्यों का पालन करने के अलावा विभिन्न कार्यक्रमों गणतंत्र दिवस परेड, स्वतंत्रता दिवस परेड और बीटिंग द रिट्रीट समारोह में भी शामिल होती है।

समारोह के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने सिख रेजिमेंट की 6वीं बटालियन के सैनिकों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने 5वीं गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन का स्वागत किया।

कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार आदिवासियों के हितों के लिए काम कर रही है, जबकि विपक्षी कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के लोगों की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कुछ ही महीनों में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इस साल प्रधानमंत्री मोदी की मध्य प्रदेश की यह पहली यात्रा है। उन्होंने कहा,'' हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब व किसान याद आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो लोगों को लड़वाने का काम करती है। उन्होंने कहा, लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है। यहां तक कि संसद में विपक्षी नेता भी अब सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए ''अबकी बार 400 पार'' बात कह रहे हैं।

इस बार मुकाबला विकास बनाम बयानबाजी के बीच - गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इस बार मुकाबला एनडीए और विपक्षी–गठबंधन के बीच नहीं, बल्कि विकास व कोरी नारेबाजी के बीच होगा। यह चुनाव भ्रष्ट शासन बनाम भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का भी है। यह चुनाव उन लोगों के बीच भी है, जिनके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सुरक्षित करना सर्वोपरि है और जो विदेश नीति के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। ग्लोबल समिट के दौरान शनिवार को शाह ने कहा कि मोदी सरकार का तीसरी बार सत्ता में आना तय है। जनता का भरोसा प्रधानमंत्री मोदी पर है। संसद में पेश श्वेत पत्र को जरूरी बताते हुए

उन्होंने कहा कि देश को यह जानने का पूरा अधिकार है कि 2014 में सत्ता गंवाने वाले यूपीए ने क्या स्थिति कर दी थी। शाह ने कहा, 2014 में अर्थव्यवस्था बदहाल थी। हर जगह घोटाले थे। विदेशी निवेश नहीं आ रहा था। अगर हमने उस समय श्वेत पत्र निकाला होता, तो दुनिया को गलत संदेश जाता, लेकिन 10 साल बाद हमारी सरकार ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया है। अयोध्या में राममंदिर पर गृह मंत्री ने कहा कि लोगों का 500–550 साल से यही मानना था कि मंदिर वहीं बनना चाहिए, जहां भगवान राम का जन्म हुआ था, पर तुष्टिकरण की राजनीति की वजह से कानून–व्यवस्था का हवाला देकर राममंदिर के निर्माण की अनुमति नहीं दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति को लेकर विवाद पर शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झूठ बोलने और फिर उसे बार–बार दोहराने की आदत है।

बीजेपी डरी हुई है, हमें बदनाम कर खत्म करना चाहती है – सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप

लगाया कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) उनकी पार्टी से डरी हुई है और उसे बदनाम कर खत्म करना चाहती है। एक निजी कंपनी से बिजली संयंत्र को पंजाब सरकार द्वारा अधिग्रहीत करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 'आप' शासित पंजाब के करीब आठ हजार करोड़ रुपये रोक कर रखे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, '' आज भाजपा केवल एक पार्टी से डरती है और वह 'आप' है। 'आप' उसे चैन की नींद सोने नहीं दे रही। 10 साल की अवधि में 'आप' ने दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाई है और गुजरात व गोवा में उसके विधायक हैं। केजरीवाल ने कहा, हम चुनाव लड़ते हैं, वहां अनेक मत हासिल करते हैं। आज भाजपा डरी है कि अगर यह (आप) इसी तरह बढ़ती रही तो केंद्र में भी 'आप' की सरकार होगी। हमारी एक ताकत है और वह है स्पष्ट मंशा के साथ ईमानदारी। हम जनता की सेवा करते हैं। हम स्कूल और अस्पताल बनाते हैं, बिजली का अधिकार देते हैं और सड़क बनाते हैं। भाजपा ऐसा काम नहीं कर सकती है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा विगत कई सालों से सरकार चला रही है।

किसी भाजपा नेता के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई नहीं की - शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने दावा किया कि सत्ता में आने के बाद से ही भाजपा के किसी भी नेता के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव आयोग द्वारा उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली राकांपा का दर्जा देने पर शरद पवार ने कहा कि उन्होंने देश में ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी थी। वह इस फैसले का समर्थन नहीं करते हैं। बता दें कि चुनाव आयोग ने शरद पवार की पार्टी का चुनाव चिंह घड़ी आवंटित किया था। पिछले साल ही अजित पवार अपने कुछ सांसदों के साथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। चुनाव आयोग ने शरद पवार के नेतृत्व वाले समूह के लिए पार्टी का नाम श्राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी–शरदचंद्र पवारश आवंटित किया है।

भाजपा नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं – शरद पवार

पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरद पवार ने दावा किया कि जब भी कोई भाजपा का विरोध करता है तो सत्ता का दुरुपयोग जरूर होता है। उन्होंने कहा, ईडी देशभर में छापेमारी कर रही है। साल 2005 से 2023 तक 6,000 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। उनमें से केवल 25 मामलों में पर्याप्त निष्कर्ष प्राप्त हुआ। वहीं 85 फीसदी मामलों में विपक्ष के राजनीतिक नेता शामिल थे। उन्होंने आगे कहा, श्भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ही पार्टी के किसी भी नेता पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि भाजपा नेताओं के खिलाफ जांच भी रोक दी गई।श पार्टी चिंह को लेकर सवाल पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, उन्होंने अपना पहला चुनाव बैलों की एक जोड़ी चिंह के साथ लड़ा था। उन्होंने कहा कि चुनाव चिंह से ज्यादा महत्वपूर्ण सोच और विचारधारा है। राकांपा प्रमुख ने कहा, चुनाव आयोग का निर्णय चौंकाने वाला था। हमारी राजनीतिक पार्टी दूसरे लोगों को दे दी गई, ऐसी स्थिति देश में कभी नहीं देखी गई। मुझे यकीन है कि जनता इसका समर्थन नहीं करेगी। हम सोमवार को अपने नए पार्टी चिंह और नाम पर चर्चा करेंगे। पत्रकार निखिल वागले पर हुए हमले को लेकर शरद पवार से सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि पुणे में एक व्यक्ति पर हमला हुआ और एक कार में तोड़फोड़ की गई। यह चिंता पैदा करने वाली स्थिति है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और राज्य और केंद्र को इस पर ध्यान देना चाहिए। बारामती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को लेकर किए गए सवाल पर राकांपा प्रमुख ने बताया कि वह इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे। नागरिकता संशोधन कानून के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा।

मंत्रियों-विधायकों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला के किये दर्शन

अयोध्या, एजेंसी। सीएम योगी और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के आग्रह पर रविवार को समाजवादी पार्टी को छोड़कर सभी दल के विधायक और योगी सरकार के विधायक, मंत्रियों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। इस दौरान सभी बेहद उत्साहित दिखे और भक्ति भाव में डूबे हुए नजर आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ मंदिर परिसर में बैठकर प्रभु श्रीराम का गुणगान किया। इस दौरान सुरक्षा की भी चाक चौबंद व्यवस्था की गई। इसकी कमान खुद गृह सचिव संजय प्रसाद और डीजीपी प्रशांत कुमार ने संभाली। इसके साथ ही वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान आम श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसका भी पूरा ध्यान रखा गया। अयोध्या धाम में रविवार

को मंत्रिमंडल के साथ बड़ी संख्या में आम श्रद्धालुओं ने भी रामलला के दर्शन किए। इस दौरान वह अपने बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पाकर काफी गदगद नजर आए और पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन के लिए यूपी के विधायक और मंत्रियों का काफिला सुबह करीब 9 बजे 10 लग्जरी बसों से लखनऊ से रवाना हो गया। रास्ते में बाराबंकी में सभी जनप्रतिनिधियों के नाश्ते की व्यवस्था की गई थी, जहां पर नाश्ता करने के बाद जय श्रीराम के उद्घोष के साथ सभी आगे के लिए रवाना हो गए। विधायकों और मंत्रियों का काफिला करीब 11.30 बजे अयोध्या पहुंचा जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अयोध्या धाम पहुंचे। वहीं विधायक और मंत्रियों का समूह जैसे ही श्रीरामजन्म भूमि पहुंचा, वहां पर पहले से मौजूद स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा और जय श्री राम के नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

बीजेपी कर्नाटक में गारंटी योजनाओं को विफल करने की कोशिश कर रही – सीएम सिद्धारमैया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में गारंटी योजनाओं को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। यदि गारंटी योजनाओं पर कोई आपत्ति है तो भाजपा नेताओं को तुरंत अपना विरोध स्पष्ट रूप से बताना चाहिए और भाजपा शासित राज्यों में घोषणा करनी चाहिए कि सभी मौजूदा गारंटी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। सिद्धारमैया ने सवाल किया कि इसके बजाय, भाजपा नेता कर्नाटक में गारंटी योजनाओं को अस्थिर करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? क्या उनके मन में कर्नाटक के लोगों के प्रति नफरत है? अब, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जो कर्नाटक पहुंचे हैं, ने गारंटी योजनाओं के कारण खजाना खाली है कहकर राज्य सरकार के प्रति अपनी ईर्ष्या व्यक्त की है। उन्होंने कहा, श्अगर यह अमित शाह की दृढ़ राय है, तो केंद्र से राज्य को करों का अनुचित वितरण हो रहा है। यह अमित शाह के लिए भी एक चुनौती है। कर्नाटक

उन्हें मेरे साथ सार्वजनिक बहस में भाग लेना चाहिए। सिद्धारमैया ने कहा, ''मैं साबित कर सकता हूं कि गारंटी योजनाओं के कारण हमारा खजाना खाली नहीं है इसकी बजाय, के बारे में बात करते समय जो भाजपा नेता हमारे राज्य में गारंटी योजनाओं का विरोध करते हैं, उन्हें गारंटी योजनाओं को उन राज्यों में लागू करने का वादा कर रहे हैं।

संपादकीय

एक बड़ा बदलाव

हाल के वर्षों में कॉर्पोरेट वातावरण में एक बड़ा बदलाव आया है, क्योंकि संगठन लैंगिक विविधता और समावेशिता के मूल्य को तेजी से पहचान रहे हैं। कई संगठन लैंगिक वेतन विसंगतियों से निपट रहे हैं, उचित पारिश्रमिक को प्रोत्साहित कर रहे हैं और समान प्रयास के लिए समान वेतन सुनिश्चित कर रहे हैं। अन्य लोग अपने कर्मचारियों को पूर्वाग्रह–विरोधी प्रशिक्षण विधियों के माध्यम से मौजूद अंतर्निहित पूर्वाग्रहों और रूढ़िवादिता के बारे में शिक्षित कर रहे हैं। अंतरसंबंध से निपटने को तेजी से स्वीकार किया जा रहा है, और कर्मचारियों को दूरस्थ कार्य विकल्प, लचीले घंटे और अंशकालिक नौकरियों जैसी लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है जो उन्हें अपने काम और व्यक्तिगत दायित्वों को बेहतर ढंग से संयोजित करने की अनुमति देता है।

लैंगिक विविधता

अधिक लैंगिक विविधता और समावेशन लाने के लिए विश्व स्तर पर कई अपरंपरागत दृष्टिकोण विकसित, नियोजित और अपनाए जा रहे हैं। विशेष रूप से, मातृत्व अवकाश नीति का विकास एक महत्वपूर्ण कारक है जो इस प्रतिमान बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रगतिशील मातृत्व अवकाश नीतियां एक ऐसी कार्यस्थल संस्कृति विकसित करने के लिए एक क्यूरेटेड रणनीति बन रही हैं जो लैंगिक विविधता का जश्न मनाती है और उसका समर्थन करती है। कुछ संगठन इतने आगे बढ़ गए हैं कि वे अपनी महिला कर्मचारियों के लिए पांच साल की मातृत्व पॉलिसी की पेशकश भी कर रहे हैं, जैसे कि महिंद्रा के मामले में। ऐसा प्रतीत होता है कि कंपनियों को अंततः यह एहसास होने लगा है कि किसी कर्मचारी द्वारा लिए गए मातृत्व अवकाश में केवल अपने और अपने नवजात शिशु के लिए समय निकालने से कहीं अधिक शामिल होता हैय इसमें माताओं को उनकी इस कठिन यात्रा के दौरान संपूर्ण सहायता प्रदान करना शामिल है। अतिरिक्त 12 सप्ताह के मातृत्व अवकाश के लिए कई लोगों को, विशेषकर निजी क्षेत्र में, काम के घंटों का एक बड़ा त्याग करना होगा। इसके परिणामस्वरूप अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि नियोक्ता महिलाओं को मातृत्व अवकाश लेने की आवश्यकता होने पर होने वाले खर्च के बारे में चिंता से काम पर रखने के लिए अनिच्छुक हैं (टाइम्स, 2023)। यह किसी देश में, विशेषकर हमारे जैसे देश में अत्यंत समस्याग्रस्त है। नियोक्ता की आवश्यकता के रूप में लागू होने के कारण यह नीति भारत में चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। कर्मचारियों को छुट्टी प्रदान करने की पूरी लागत नियोक्ताओं पर पड़ती हैय इसमें कर्मचारियों को छुट्टी पर रहने के दौरान भुगतान करने की प्रत्यक्ष लागत और अनुपस्थित कर्मचारी द्वारा अधूरा छोड़े गए काम को पूरा करने के लिए अन्य श्रमिकों को काम पर रखने की अप्रत्यक्ष लागत दोनों शामिल हैं। नतीजतन, चूंकि प्रसव उम्र की महिलाएं सवैतनिक पारिवारिक अवकाश की हकदार हैं और वे इसका उपयोग कर सकती हैं, इसलिए चिंता है कि कंपनियां नियुक्ति और वेतन संबंधी निर्णयों में उनके साथ भेदभाव करना शुरू कर सकती हैं। इसलिए, नियोक्ता का आदेश सवैतनिक अवकाश नीति बनाने के लिए सबसे अच्छा तरीका नहीं लगता है (माथुर, 2018)।

लिंग के प्रति तटस्थ

ऐसी नीति बनाने के लिए लिंग तटस्थता एक महत्वपूर्ण घटक है। यह जरूरी है कि कोई भी सवेतन अवकाश कानून लिंग–तटस्थ हो, जिसका अर्थ है कि माता और पिता दोनों इसका उपयोग कर सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि केवल महिला के बजाय माता–पिता दोनों बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी साझा करते हैं। यह बच्चे के शुरुआती वर्षों में पिता के महत्वपूर्ण प्रभाव को भी स्वीकार करता है (माथुर, 2018)। कानून वर्तमान में चार दिनों के पितृत्व अवकाश की अनुमति देता है। चार दिन! इतना ही। हालाँकि, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या इसे पूरे 30 दिनों तक बढ़ाया जाना चाहिए। यह बेतुका लगता है कि सबसे पहले, जीवन में इतने महत्वपूर्ण बदलाव के लिए चार दिन आवंटित किए गए हैं, और पुरुष कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अचानक बदलाव करें और कर्मचारियों के रूप में अपनी पिछली भूमिका में लौटने से पहले पिता बनने के आदी हो जाएं। 9 से 5, सप्ताह में पाँच दिन (टाइम्स, 2023)। मातृत्व लाभ अधिनियम अनिवार्य रूप से तात्पर्य यह है कि पालन–पोषण, देखभाल और बच्चे के पालन–पोषण के अन्य सभी पहलुओं के लिए माँ पूरी तरह से जिम्मेदार है। इसलिए, जहां मां 26 सप्ताह की सवैतनिक छुट्टी की हकदार है, वहीं पुरुष को न के बराबर छुट्टी मिलती है। नवजात शिशु की देखभाल के लिए मां को छह महीने के लिए अपना करियर रोकना होगा, जबकि पिता व्यावहारिक रूप से तुरंत काम शुरू कर सकता है। और इस विचार को 2024 में भी अच्छी तरह से स्वीकार किया जाता दिख रहा है (कालरा, 2023)। मातृत्व के महिमामंडन, पितृसत्तात्मक भारतीय समाज में महिलाओं की पहचान को मां के रूप में उनकी भूमिका से जोड़ने और बच्चों की देखभाल के मामले में महिलाओं को सौंपी गई लैंगिक भूमिका के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं, जिससे महिलाओं पर परिवार, समुदाय और सामाजिक दबाव बढ़ गया है। ऐसा लगता है कि यह केवल उन मुद्दों को उजागर करता है जो सदियों से मौजूद हैं जिनका कोई स्पष्ट समाधान नहीं है। आज भी, यह केवल "मान लिया गया" है कि महिला, गहन शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों और पीड़ा से गुजरने के बाद, बच्चे के जन्म के बाद ठीक होने के साथ–साथ बच्चे का पालन–पोषण करेगी।

एआई, डीप फेक को विनियमित करना जरूरी

आसिफ

सभी प्रकार के लोगों को लक्षित करने वाले डीप फेक वीडियो के उदय ने खतरे की घंटी बजा दी है, जिससे व्यापक चिंता पैदा हो गई है और डीप फेक तकनीक के दुरुपयोग को रोकने की तत्काल आवश्यकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट ने द्विदलीय कानून पेश किया है जिसे डिसरप्ट एक्सप्लिसिट फोर्ज्ड इमेजेज एंड नॉन–कंसेन्सुअल एडिट्स (डिफियंस) एक्ट कहा जाता है। यह कानून व्यक्ति की सहमति के बिना कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई गैर–सहमति वाली, कामुक छवियों और वीडियो को साझा करना अवैध बना देगा। इसी तरह, यूरोपीय संघ के प्रस्तावित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अधिनियम का उद्देश्य डीप फेक को संबोधित करने के लिए सख्त नियम प्रदान करना है। जैसे–जैसे यह तकनीक जनता के लिए अधिक उपलब्ध होती जा रही है, बड़ी संख्या में देश डीप फेक की दुविधा से जूझ रहे हैं और इस समस्या से कैसे निपटा जाए। इंटरनेशनल सेंटर ऑफ काउंटर–टेररिज्म के लिए एक नीति संक्षिप्त में, जिसका शीर्षक 'डीप फेक डिजिटल धोखे का हथियार' है, सुदूर दक्षिणपंथी एला बुश और जैकब वेयर ने कहा, "शब्द, 'डीप फेक', डीप लर्निंग की अवधारणा से लिए गए हैं।", कृत्रिम बुद्धिमत्ता–मशीन लर्निंग (एआईध्एमएल) का एक उपसमूह। डीप लर्निंग एल्गोरिदम गहरे तंत्रिका नेटवर्क से बने होते हैं, जो मानव मस्तिष्क को इस तरह से अनुकरण करते हैं जो एआई को बड़ी मात्रा में डेटा से 'सीखने' में सक्षम बनाता है। पाठ और छवियों जैसे असंरचित डेटा को संसाधित करने की क्षमता के कारण डीप लर्निंग मशीन लर्निंग से अद्वितीय है, जो इसे डीप फेक वीडियो, ऑडियो, चित्र या टेक्स्ट बनाने के लिए आदर्श बनाती है। डीप फेक एक विशिष्ट डीप लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके बनाए जाते हैं जिसे जेनेरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क (जीएएन) कहा जाता है। ळ।छ, जिसे पहली बार 2014 में शोधकर्ता इयान गुड फेलो द्वारा विकसित किया गया था, में दो तंत्रिका नेटवर्क शामिल हैं दृ एक जनरेटर एल्गोरिदम और एक विभेदक एल्गोरिदम। जनरेटर एल्गोरिदम एक नकली छवि (या मीडिया का अन्य रूप) बनाता है और विवेचक मीडिया की प्रामाणिकता का आकलन करता है। स्थिर स्थिति तक पहुंचने तक कार्रवाई घंटों या दिनों तक दोहराई जाती है, जिसमें न तो जनरेटर और न ही विवेचक अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, डीप फेक एक प्रकार का सिंथेटिक मीडिया है जिसमें डीप–जेनरेटिव तरीकों के माध्यम से किसी के चेहरे की बनावट में हेरफेर शामिल होता है। हालाँकि किसी के चेहरे या आवाज की नकल करने की तकनीक नई नहीं है, लेकिन डीप फेक के बारे में जो क्रांतिकारी है, वह है जेनेरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क्स (जीएएन) पर निर्भरता। ळ।छ दो ।प् मॉडल पर भरोसा करते हैं जो मिलकर काम करते हैं। पहला एआई मॉडल, जालसाज, दिए गए नमूने के आधार पर किसी के चेहरे से छेड़छाड़ करने में मदद करता है। दूसरा एआई मॉडल, जासूस, जालसाज की रचना की जांच करता है और, फेस ट्रेनिंग डेटा के आधार पर, इसके नकली होने के सभी कारणों की पहचान करता है। इसके बाद जालसाज जासूस द्वारा उपलब्ध कराए गए इनपुट के आधार पर सुधार करता है। सुधार की यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक जासूस वास्तविक छवि और उत्पन्न छवि के बीच कोई अंतर खोजने में असमर्थ नहीं हो जाता। फिल्म निर्माता बड़े पैमाने पर इस तकनीक का उपयोग फिल्मों का अनुवाद करने, अभिनेताओं की उम्र उम्र कम करने, फिल्म निर्माण को गति देने और इसकी लागत कम करने में मदद करने के लिए कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में, डीप फेक बहुत अधिक नवीन पाठ बनाने में मदद कर सकते हैं जो सीखने के पारंपरिक रूप की तुलना में कहीं अधिक आकर्षक हैं। इसका उपयोग ऐतिहासिक क्षणों को फिर से प्रस्तुत करने के लिए किया जा सकता हैय मानव शरीर रचना विज्ञान को समझने और वास्तुकला में सहायता करने में सहायता करें। इसका उपयोग चिकित्सा शोधकर्ताओं द्वारा वास्तविक रोगियों के बिना बीमारियों के इलाज के नए तरीके विकसित करने के लिए भी किया जा सकता है। डीप फेक के अनेक लाभ हैं। दूसरी ओर, वित्तीय घोटाले, गलत सूचना फैलाने और यौन रूप से स्पष्ट वीडियो साझा करने जैसे अपराध करने के लिए डीप फेक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। यूरोपोल की इनोवेशन लैब के अनुसार, डीप फेक संगठित अपराधों के लिए एक प्रमुख उपकरण बन सकते हैं, क्योंकि इनका उपयोग बड़े पैमाने पर धमकाने, बौद्धिक संपदा के उल्लंघन की अनुमति देने, धोखाधड़ी वाले दस्तावेजों को सुविधाजनक बनाने, सबूतों में हेरफेर करने, आतंकवाद का समर्थन करने और सामाजिक अशांति और राजनीतिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

सादगी-शिष्टाचार से मुखातिब हो सियासत

आदित्य

हमारे देश में सरकारें वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिए सडकों पर सियासी हुक्मरानों व अफसरशाही की बेहद महंगी लग्जरी गाडियों पर लालबत्ती की चमक व दिल की धडकन तेज करने वाले हूटरों की धमक को खामोश करने के दावे जरूर करती हैं, मगर आधुनिक हथियारों से लैस सुरक्षा एंजेसियों के सर्वश्रेष्ठ जवानों की वीआईपी सुरक्षा लेना सियासी हैसियत व रुतबे का प्रतीक बन चुका है। एनएसजी कमांडो जैसी सुरक्षा एजेंसी के साए में वीआईपी सुरक्षा का दायरा बढ़ता जा रहा है। सत्ता की चौखट पर पहुंचते ही सियासत के किरदार से सादगी व शिष्टाचार जैसे गुण रुखसत हो रहे हैं। हमारे देश की सियासत में ऐसे कई राजनीतिज्ञ हुए जिन्होंने लोकतंत्र के शिखर पर पहुंच कर भी अपने निजी स्वार्थ व महत्वाकांक्षा से दूर रहकर सादगी भरे व्यक्तित्व की गहरी छाप छोड़ी है। यदि बात सियासत में सादगी भरे व्यक्तित्व की हो और पिछड़े वर्गों की पैरवी करने वाले समाजवाद के पुरोधा 'कर्पूरी ठाकुर' का जिक्र न किया जाए, तो देश की सियासत में दौर–ए–सादगी का मजमून अधूरा रहेगा। बिहार की सियासत के उस प्रतिष्ठित चेहरे का नाम सुर्खियों में तब आया जब मौजूदा केन्द्र सरकार ने 23 जनवरी 2024 को कर्पूरी ठाकुर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने का ऐलान किया। समाजवादी नेता रामनंदन मिश्र ने कर्पूरी को 'ठाकुर' की उपाधि दी थी। समाजवादी तहरीक की पैदाइश कर्पूरी ठाकुर को आजादी आंदोलन के दौरान पटना के कृष्णा टॉकीज हॉल में बर्तानिया हुकूमत के विरुद्ध दिए गए एक इंकलाबी भाषण के लिए अंग्रेजों ने जेल में डाल दिया था। सन् 1952 में पहली बार विधायक बनने के बाद कर्पूरी ठाकुर को एक प्रतिनिधिमंडल के साथ 'आस्ट्रिया' जाने का मौका मिला था। आस्ट्रिया की राजधानी वियना में होने वाले उस इजलास की तर्जुमानी युगो स्लाविया के फौजी शासक 'मार्शल टीटो' कर रहे थे। समारोह में भाग ले रहे कर्पूरी ठाकुर का लिबास देखकर मार्शल टीटो इस कदर जज्बाती हुए कि गिफ्ट के रूप में एक कोट पैक करवाकर कर्पूरी ठाकुर के कमरे में भिजवा दिया। लेकिन अपने असूलों पर अडिग कर्पूरी ठाकुर ने मार्शल टीटो द्वारा तोहफे में दिए गए कोट को सरकारी कोष में जमा करवा दिया था। इसीलिए सादगी भरे किरदार की महानता से कर्पूरी ठाकुर को जननायक के रूप में जाना जाता था। अपने गांव के स्कूल में शिक्षक के रूप में पढ़ाई कराते वक्त कर्पूरी ठाकुर ने महसूस किया था कि गांव, देहात के गरीब बच्चों के लिए शिक्षा में अंग्रेजी विषय परेशानी का सबब बन रहा है। अतरू सन् 1967 में बिहार के उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री रहते कर्पूरी ठाकुर ने बिहार राज्य के शिक्षा पाठ्यक्रम से अंग्रेजी विषय की अनिवार्यता को ही समाप्त कर दिया था, ताकि समाज के हर वर्ग के छात्र शिक्षा हासिल कर सकें। वर्तमान में देश में विदेशों से डिग्रियां लाने की होड़ मची है। विदेशी शिक्षण संस्थानों से डिग्रियां हासिल करके जम्हूरियत की पंचायतों में विराजमान होकर अंग्रेजी झाडने वाले हुक्मरान देश के जमीनी हालात से मुखातिब होकर गुरबत की तासीर कैसे जानेंगे। हिंदी भाषा के प्रबल पक्षधर तथा वंशवाद के सख्त मुखालफीन रहे कर्पूरी ठाकुर ने अपनी सियासी विरासत को विस्तार देने की कोशिश भी नहीं की थी। मगर अवसरवाद व तोहमत के लिए मशहूर हो रही मौजूदा सियासत जाति, मजहब, क्षेत्रवाद व वंशवाद की तवाफ में मशगूल है। सियासी पटल पर भाषाई गरिमा को बरकरार रखना भी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। कई सियासी रहनुमाओं की जहरीली तकरीरों से समाज में हिकारत का माहौल पैदा हो रहा है। सियासी तकरीरों में जाति–मजहब का जिक्र किए बिना सियासत की तासीर बिगड़ जाती है। सत्ता की दहलीज पर पहुंचने का समीकरण अधूरा रह जाता है। राजनेता हों या मजहबी रहनुमां, लफ्जों का आधार होना चाहिए, मगर विडंबना है कि कई सियासी व मजहबी रहनुमाओं के धारदार अल्फाज लोगों के जज्बातों को आहत कर रहे हैं। मुल्क के इंकलाबी युवावेग ने कुर्बानियां देकर अंग्रेजों की सफ्फाक हुक्मरानी को हिंदोस्तान की सरजमीं से रुखसत कर दिया। शानो–शौकत वाली रजवाड़ाशाही ने जम्हूरियत की बहाली के लिए अपनी रियासतों का भारत में विलय कर दिया, लेकिन आजादी के बाद लोगों ने देश में जिस सादगी भरे जम्हूरी निजाम की कल्पना की थी, वास्तव में वो लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम नहीं हुई। मुल्क के रहबर सत्ता का मकसद समाज की खिदमत के बजाय आवाम पर हुकूमत करना मान बैठे हैं तथा अफसरशाही व नौकरशाही अपनी ड्यूटी को रोजगार का जरिया मान बैठे हैं। मुल्क का मुस्तकबिल युवावेग बेरोजगारी के बोहरान में फंसकर अपनी डिग्रियों को कोसकर रोजगार की जुस्तजू में भटक रहा है। हिंदोस्तान को आजाद कराने से लेकर देश में तरक्की की इबारत लिखने में युवा ताकत के दस्त –ए– अमल का किरदार अहम रहा है। अतः प्रजातंत्र की बुनियाद युवावर्ग को बेरोजगारी के मर्ज से निजात दिलाकर ही मुल्क का इकबाल बुलंद होगा। भ्रष्टाचार देश के अर्थतंत्र में अस्थिरता का तनाजुर पैदा कर रहा है। जब देश का लगभग हर राज्य कर्ज के बोझ तले दबा है तथा अपने वोट की ताकत से राजनेताओं को जम्हूरियत की पंचायतों में पहुंचाने वाली देश की करोड़ों आबादी गुरबत से जूझकर गरीबी रेखा से नीचे बसर करने को मजबूर है, तो देश के तमाम इदारों पर हुक्मरानी करने वाली लीडरशिप को वीआईपी कल्चर को त्याग कर सादगी व शालीनता की मिसाल कायम करके सियासत का मिजाज दुरुस्त करना होगा।

डॉलर को गद्दी से उतारना कठिन

विनोद

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने हाल ही में 60 मिनट्स पर कहा कि अमेरिका के लिए महाशक्ति बने रहने के लिए दो चीजें महत्वपूर्ण हैं वित्त और सैन्य। "एक तो मुझे लगता है कि हमें बस यह याद रखने की जरूरत है कि हमारे पास एक गतिशील, नवोन्मेषी, लचीली, अनुकूलनीय अर्थव्यवस्था है। अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक. और यही बड़ा कारण है कि हमारी अर्थव्यवस्था इतनी अच्छी तरह आगे बढ़ी है," उन्होंने कहा। दूसरा वह समर्थन है जो वह अन्य सरकारों को सैन्य रूप से देता है। "द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से, संयुक्त राज्य अमेरिका लोकतंत्र, सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था का समर्थन और बचाव करने वाला अपरिहार्य राष्ट्र रहा है। हम उस पर अग्रणी आवाज रहे हैं। और यह स्पष्ट है कि दुनिया यही चाहती है, उन्होंने कहा। किसी भी देश के लिए, उसकी ताकत सैन्य है, उसके बाद उसकी मुद्रा और फिर उसकी यूएसपी (अद्वितीय बिक्री प्रस्ताव)। उदाहरण के लिएरू सऊदी अरब और कतर के लिए तेल। डी–डॉलरीकरण पर उन्माद के बीच, गोल्डमैन सैक्स ने इसे "बहुत सारी बातें (फिर से), बहुत सारी कार्रवाई नहीं" कहा था। यह ध्यान देने योग्य बात हो सकती है कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है, लेकिन अमेरिका के विपरीत, जो एक शुद्ध आयातक देश है, वह अपनी मुद्रा की सराहना का जोखिम नहीं उठा सकता। इस कारण से, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पास बेल्ट एंड रोड पहल है और वह घरेलू खपत को प्रोत्साहित कर रहे हैं लेकिन बहुत कम सफलता मिल रही है। भारत ने भी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए, हमेशा की तरह, बड़ी उम्मीदों के साथ रुपये का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने का अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी एक लंबा रास्ता तय करना है दृ रुपये में कुल विदेशी व्यापार 2ः से भी कम है। जून 2023 तक भारत का विदेशी ऋण 629.1 बिलियन डॉलर था, जिसका भुगतान डॉलर में किया जाना था। यह लेनदेन के लिए रुपये को अपनाने के प्रति विश्व बाजारों की अनिच्छा को दर्शाता है जो सऊदीध्ईरान और रूसी तेल सौदों में स्पष्ट है। द बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के अनुसार दुनिया भर में किए जाने वाले मुद्रा व्यापार की दैनिक मात्रा 6.6 ट्रिलियन है, जबकि शेयरों के लिए, यह +404 बिलियन (विश्व बैंक) या +0.4 ट्रिलियन है। मुद्राओं में, केवल अमेरिकी डॉलर (23ः के साथ), यूरो (15ः) और जापानी येन (10ः) ही आगे हैं, जबकि अन्य सभी 2ः से कम के साथ उनकी तुलना में फीके हैं। और उपकरणों के 10 जोड़े, जो कुल मात्रा का 65ः कवर करते हैं, उनमें से नौ में व्यापार के एक पक्ष के रूप में डॉलर होता है। आमतौर पर, मुद्रा व्यापार उपकरणों (मुद्रा) के जोड़े में किया जाता है। तो यह मुद्रा क्या है और यह किसी देश का गौरव क्यों है? सरल शब्दों में मुद्रा वह 'साधन' है जिसका उपयोग किसी चीज या वस्तु दृ लकड़ी, चट्टान, हवा, पानी, घर ख्सामान,, विचार, सलाह ख्सेवाओं, को महत्व देने (वस्तुओं और सेवाओं के लिए भुगतान करने की कीमत) के लिए किया जाता है। वेनेजुएला, अर्जेंटीना और कोलंबिया जैसे कुछ देश, जो सामाजिक आर्थिक संकट और राजनीतिक अशांति से ग्रस्त हैं, नियमित रूप से अपनी मुद्राओं का अवमूल्यन करते हैं। 1990 के दशक के दौरान, जब डॉ. मनमोहन सिंह वित्त मंत्री थे, तब मुद्रा अवमूल्यन को लेकर भारत की संसद कई दिनों तक ठप रही थी। किसी मुद्रा की ताकत यह निर्धारित करती है कि देश के पास 'ऋण से जीडीपी' अनुपात का उपयोग करने की क्षमता है या नहीं। उदाहरण के लिए, अमेरिका में 129ः है या उसका ऋणध्जीडीपी 1.29 के बराबर है, यानी, प्रत्येक 1 डॉलर की कमाई के लिए, अमेरिका 1.29 डॉलर खर्च कर रहा है। फिर भी, डॉलर बहुत स्थिर है क्योंकि कर्ज उसकी मुद्रा में है और बैंक फेड है। यदि उनका अनुपात 50ः भी है तो यह कई देशों के लिए चिंता का कारण है। जापान एक अपवाद है. विकसित देश होने के बावजूद भी इसकी मुद्रा कमजोर है। इसकी अर्थव्यवस्था घरेलू खपत के बजाय निर्यात पर निर्भर करती है। एक सस्ते बजट होटल की कीमत लगभग 5,000 येन होगी जबकि भारत में यह लगभग 300 रुपये होगी। जब मुद्रा कम होती है तो आपको घरेलू मांग के लिए भी अधिक पैसा देना पड़ता है। मुद्रास्फीति यहां कोई भूमिका नहीं निभाती है। यह हमें भुगतान संतुलन (बीओपी) पर लाता है, जो आयात घटा निर्यात है। जब बीओपी नकारात्मक होता है, तो आपकी मुद्रा का नीचे की ओर होना अच्छा होता है, लेकिन जब यह सकारात्मक होता है, तो आपकी मुद्रा मजबूत होनी चाहिए।

मांग और आपूर्ति

एक अन्य पहलू जो मुद्रा की ताकत निर्धारित करता है, और जो बीओपी पर निर्भर नहीं करता है वह है मांग और आपूर्ति। उदाहरण के लिएरू सीमित आपूर्ति के कारण बिटकॉइन अधिक है। डॉलर की मांग ही इसे सबसे अधिक मांग वाली मुद्रा बनाती है। विदेशी मुद्रा बाजार में चार मुद्राएँ हावी हैं दृ डॉलर, येन, यूरो और पाउंड, और लगभग सभी मुद्राएँ उनके विरुद्ध व्यापार करती हैं। यूरोप और अमेरिका ने मिलकर कई दशकों तक विश्व व्यापार का 40ः हिस्सा लिया, जबकि चीन के लिए यह अपने चरम (2016–2021) के दौरान 19ः था। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि चीन की मुद्रा का भारी कारोबार नहीं होता है। डॉलर के बाद, यह येन है जिसका भारी कारोबार होता है। चीन डॉलर का सबसे बड़ा खरीदार है क्योंकि उसका ज्यादातर निर्यात अमेरिका को होता है। इसलिए जब चीन का कोई व्यक्ति अमेरिका में किसी व्यापारी को खिलौने बेचना चाहता है, तो चीन का केंद्रीय बैंक डॉलर खरीदता है।

सरकार पर हावी रहेगी पाकिस्तानी सेना

ललित

बड़े पैमाने पर हिंसा और भरोसे की कमी के बीच पाकिस्तान की नेशनल असेंबली और चार प्रांतीय असेंबलियों के लिए मतदान हुआ है. मतदान के दौरान समूचे देश में इंटरनेट सेवाओं को भी बंद रखा गया है. जैसा कि पहले से आशंका जतायी जा रही है, इस चुनाव और इसके नतीजों को संदेह की नजर से देखा जायेगा. इस माहौल में यही लग रहा है कि नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) पहले स्थान पर रहेगी, लेकिन शायद उन्हें बहुमत जुटाने के लिए बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का समर्थन लेना होगा. आखिर इमरान खान को सत्ता से हटाने और उन्हें एवं उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के कई नेताओं को चुनाव से अलग रखने में दोनों पार्टियों की भूमिका रही है.ऐसी संभावना बन रही है कि नवाज शरीफ चौथी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने में कामयाब रहेंगे. उनकी राह में कोई बड़ी बाधा भी नहीं है क्योंकि उनके ऊपर लगे आरोपों को वापस ले लिया गया है. चुनाव आयोग ने इमरान खान की पार्टी को लड़ने से रोक दिया है और उसके चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर भी पाबंदी है. सो, उनके उम्मीदवारों को निर्दलीय लड़ना पड़ रहा है. जिस प्रकार इमरान खान को रोकने की कवायद राजनीतिक रूप से तथा अदालत और सेना के द्वारा हुई है, उससे यही लगता है कि इमरान के समर्थक कोई उल्लेखनीय जीत हासिल नहीं कर पायेंगे. असल में इस चुनाव का मकसद ही है इमरान खान को पाकिस्तान की राजनीति से बाहर कर देना. इस चुनाव ने फिर यह साबित किया है कि अगर पाकिस्तान में किसी भी प्रकार का लोकतंत्र चलाना है, तो वह पाकिस्तानी सेना को विश्वास में लिये बिना नहीं किया जा सकता है. इमरान खान के साथ जो भी हुआ है और हो रहा है, उसकी एकमात्र वजह उनका सेना से टकराव रहा है. जैसा कि बहुत समय से कहा जा रहा है कि नवाज शरीफ को लंदन निर्वासन से वापस बुलाया ही गया है उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिए. इसीलिए उनके खिलाफ सारे मुकदमों को हटा लिया गया है. इसलिए भी लगता है कि पाकिस्तान की आगामी सरकार मिली–जुली सरकार होगी और बिलावल भुट्टो को सरकार से बाहर रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है. बहरहाल, जो लोग भी पाकिस्तान की राजनीति को समझते हैं, उन्हें इस चुनाव से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थीं. लेकिन कम से कम यह संतोषजनक माना जा सकता है कि वहां सेना का सीधा शासन न होकर एक सरकार के हाथ में सत्ता की बागडोर होगी. पर साथ में यह भी रेखांकित करना जरूरी है कि बहुत से पाकिस्तानी नागरिकों तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर में पाकिस्तान की लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख नहीं बढ़ेगी. नवाज शरीफ पुराने नेता हैं और वे पहले तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं. दक्षिण एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में नेताओं के साथ उनके संबंध हैं. ऐसे में यह उम्मीद की जा सकती है कि पाकिस्तान की अगली सरकार इस क्षेत्र में अपनी भूमिका की समीक्षा करेगी और उसमें ठोस सुधार की कोशिश करेगी. तीन अहम पड़ोसी देशों– भारत, ईरान और अफगानिस्तान– के साथ पाकिस्तान के संबंध बेहद खराब हैं. यह स्थिति इस क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है. नवाज शरीफ के सामने यह एक बड़ी चुनौती होगी. पड़ोसी देशों के साथ खराब संबंध पाकिस्तान के लिए भी हितकर नहीं हैं. देश की राजनीतिक और न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों के एक बड़े हिस्से का भरोसा नहीं होना, कई क्षेत्रों में आतंकवाद और अलगाववाद की मौजूदगी तथा राजनीतिक टकराव जैसे गंभीर मुद्दों पर अगर पाकिस्तान की अगली सरकार को सकारात्मक पहल करनी है, तो उसे पड़ोसी देशों के साथ ठीक से रहना होगा. आज पाकिस्तान के सामने अर्थव्यवस्था की बदहाली सबसे बड़ी समस्या है. उसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और दूसरे देशों की मदद से अपनी अर्थव्यवस्था को चलाना पड़ रहा है. यदि अगली सरकार आर्थिक स्थिति में सुधार करने में असफल रहेगी, तो उसके लिए सत्ता में बने रहना बेहद मुश्किल हो जायेगा. तमाम कमियों के बावजूद नवाज शरीफ एक अनुभवी राजनेता हैं. वैसा अनुभव और संपर्क न तो इमरान खान में था और न बिलावल भुट्टो में है. इसलिए घरेलू और क्षेत्रीय स्तर पर हालात में कुछ सुधार की उम्मीद की जा सकती है. लेकिन यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि पाकिस्तान में जो ऐतिहासिक रूप से सत्ता की संरचना रही है, जिसमें सेना सबसे ताकतवर स्थिति में रहती है, उसमें इस चुनाव से किसी बदलाव की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए. इमरान खान को सत्ता

से बेदखल करने में तथा तमाम दलों को मिलाकर नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ के नेतृत्व में सरकार गठित करने में पाकिस्तानी सेना की बड़ी भूमिका रही है. यह बात इमरान खान भी कहते रहे हैं और विश्लेषकों का भी यही मानना है. आर्थिक मदद के लिए भी पाकिस्तान सेना के प्रमुख विदेश यात्रा करते रहे हैं. जिस तरह से यह चुनाव कराया गया है, उसमें अगर सेना की रजामंदी नहीं होती, तो अब तक सेना ने हस्तक्षेप कर दिया होता. यह चुनाव लोकतंत्र की बहाली के लिए नहीं हुआ है, बल्कि अब तक चले आ रहे।

भाषा का बहुत बड़ा महत्व होता है रिसर्च में - प्रो. विशाल सूद

संकाय भवन में चल रहा है कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के सातवें दिन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो साप्ताहिक कार्यशाला को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश से आए प्रोफेसर विशाल सूद ने प्रतिभागियों को क्वालिटेटिव रिसर्च के गुर साझा किए। उन्होंने कहा कि रिसर्च में भाषा का बहुत बड़ा महत्व होता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न मूल समस्याओं का समाधान उनकी दिशा–दशा क्वालिटी रिसर्च के माध्यम से सहज और समग्र रूप से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्वालिटेटिव रिसर्च कई अलग शैक्षणिक विषयों में विनियोजित, पारंपरिक रूप से सामाजिक विज्ञान, साथ ही बाजार अनुसंधान और अन्य संदर्भों में जांच की एक विधि है। क्वालिटेटिव रिसर्च में शोधकर्ताओं का उद्देश्य मानवीय व्यवहार और ऐसे व्यवहार को शासित करने वाले कारणों को गहराई से समझना है और इसके लिए बड़े नमूनों की बजाय छोटे नमूनों पर संकेंद्रित नमूनों की आधार पर ही सम्यक दृटिकोण प्रदान करता है। उन्होंने क्वालिटेटिव डाटा एनलिसिस विधि की टेक्निक को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय विशेषज्ञ का परिचय कराया, डॉ. मनोज पांडेय ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. अनु त्यागी ने धान्यवाद ज्ञापन किया। प्रतिभागियों में दीपक कुमार दास, अयाज अहमद, कपिलदेव वीरेंद्र कुमार साहू, सेनेट थामस, दया सिंधु, प्रतिमा मौर्य, विवेक मिश्रा ने सवाल पूछ अपनी जिज्ञासा शांत की।

राष्ट्रीय भारतीय अखंड पार्टी द्वारा 20 लोगों की प्रथम सूची जारी- शिवराम प्रजापति (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय भारतीय अखण्ड पार्टी के राष्ट्रीय प्रदेश मण्डल एवं जिला पदाधिकारियों की बैठक गांधी भवन

कैसरबाग में आयोजित की गयी। पार्टी की बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अरूण कुमार भोजवाल आजाद ने करते हुए कहा कि राष्ट्रीय भारतीय अखण्ड पार्टी उत्तर प्रदेश के दो करोड़ बेरोजगारों की लड़ाई प्राथमिकता के साथ लड़ रही है। केन्द्र एवं प्रदेश के हर विभाग में पदों की संख्या रिक्त है, लेकिन केन्द्र अथवा प्रदेश सरकार इस मुद्दे पर गम्भीरता से काम नहीं कर रही है। सरकार तत्काल सभी विभागों में बेरोजगारों को रोजगार देने का काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि महंगाई चरम पर है। गरीब आदमी रोटी दाल को मोहताज हो चला है। सरकार महंगाई पर अंकुश लगाने में विफल है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेलों के दामों में काफी कमी हैं। लेकिन सरकार तेल एवं गैस के दाम बढ़ाकर जनता को लूटने का काम कर रही है। राष्ट्रीय भारतीय अखण्ड पार्टी जल्द ही इन मुद्दों को लेकर जन जागरण अभियान चलायेगी। राष्ट्रीय भारतीय अखण्ड पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराम प्रजापति ने आज राष्ट्रीय भारतीय अखण्ड पार्टी के लोकसभा प्रत्याशियों की प्रथम सूची जारी की 20 लोगों की और जल्द ही अगली सूची जारी करने की घोषणा की।

डीजी, आरपीएफ द्वारा एआईपीडीएम पर प्रेस कान्फ्रेंस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डीजी, आरपीएफ, मनोज यादव, आईपीएस, ने लखनऊ के आरडीएसओ में 67वें अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट (एआईपीडीएम) के बारे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम रेलवे सुरक्षा बल द्वारा जगजीवन राम आरपीएफ अकादमी, लखनऊ में 12 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। डीजी, आरपीएफ ने 67वें संस्करण के अधीन आयोजित होने वाली विभिन्न घटनाओं के बारे में व्यापक रूप से बात की, जिनमें भविष्य में वैज्ञानिक, स्मार्ट और संवेदनशील पुलिसिंग की जगह महत्वपूर्ण होगी। डीजी/आरपीएफ ने मीडिया को संबोधित करते समय आरपीएफ द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे सुरक्षा उपायों के बारे में सूचित किया। इन पहलों में शामिल हैं–महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राशि निर्धारित की गई है, जो निर्भया योजना के तहत सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के लिए है। ट्रेनों की सुरक्षा प्रदान करने का एक श्रेष्ठ तरीका नहीं हो सकता है क्योंकि बड़ी संख्या में ट्रेनों के साथ–साथ आरपीएफ और जीआरपी दोनों में मानव संख्या की कमी है। इसलिए, आरपीएफ और जीआरपी के दोनों बलों को समन्वयित किया गया है और अपराध प्रवृत्ति अनुसार स्पेशल ट्रेनों जैसे वंदे भारत, राजधानी, दुरंतो आदि में सुरक्षा प्रदान की जाती है। मेरी सहेली नामक पहल ने अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए ख्याति प्राप्त की है। इन महिला यात्रियों

को भारत के सभी प्रमुख स्टेशनों पर महिला आरपीएफ कर्मियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। नन्हे फरिश्ते नामक पहल में आरपीएफ कर्मियों द्वारा एनजीओ के साथ, रेलवे परिसर में पाये जाने वाले बच्चों को उनके परिवारों से पुनः जोड़ने में मदद की जाती है। वर्ष 2022 में, 17,000 बच्चे बरामद हुए और 2023 में, 11,000 बच्चे बरामद हुए। ऑपरेशन आहट जिसे आरपीएफ द्वारा बचपन बचाओ आंदोलन की सहायता से संचालित किया जा रहा है, एवं इसके तहत मानव तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। जिसके अंतर्गत वर्ष 2023 में, आरपीएफ ने 1048 व्यक्तियों को बचाया गया है।नशीले पदार्थ जो इस देश के युवाओं को नष्ट कर रहे हैं और रेलवे के माध्यम से परिवहन किए जा रहे हैं, उस पर काबू पाने के लिए आरपीएफ द्वारा नारकोस ऑपरेशन चलाया जा रहा है और 40 करोड़ की नारकोटिक्स की बरामदी की गई है। आरपीएफ कर्मियों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को संबोधित करने के लिए, बल योजनाओं को पुनः मूल्यांकन करने और पर्यवेक्षकीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण संगठित करने का योजना है। साथ ही, आरपीएफ ने रेलवे बोर्ड से मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन को मेडिकल जाँचों में शामिल करने की अपील की है। पेशेवर व्याख्यानों का भी आयोजन किया जाएगा ताकि आरपीएफ कर्मियों के बीच जागरूकता बढ़ाई जा सके। प्रेस कॉन्फ्रेंस को समाप्त करते हुए, डीजी आरपीएफ ने इस 67वें अध्याय के एआईपीडीएम का उद्देश्य बताया, जो भारत में पुलिसिंग के मानकों को उच्च करना और माननीय प्रधानमंत्री के षविकसित भारत 2047ष के दृष्टिकोण को पूरा करने का है। इस घटना के दौरान, आरपीएफ से अन्य अधिकारी शामिल थे, जैसे कि मुनव्वर खुर्शीद, पीसीएससी ध् एसईसीआर, बी. वी. राव, आईजी–कम–निदेशक, जेआरआरपीएफ अकादमी, डॉ ए.एन. झा, डीआईजी–प्रशिक्षण, जेआरआरपीएफए और सारिका मोहन, डीआईजी–स्थापना, आरपीएफ। दिलीप शुक्ला, संयुक्त निदेशक, पीआईबी भी मौजूद थे और प्रेस कॉन्फ्रेंस का समन्वय किया।

समय, शक्ति का सार्थक सदुपयोग करें छात्र –स्वामी अक्षयानंद जी महाराज

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई। आज ग्रामोदय पी जी

कॉलेज डिघिया खेरिया हरदोई में स्वामी विवेकानन्द युवा तकनीकी सशक्तिकरण योजना के तहत 309 विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन वितरित किये गये स इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में योग नगरी हरिद्वार से पधारे स्वामी अक्षयानंद जी महाराज अध्यक्ष संत पथिक साधना हरिद्वार ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी कर्तव्य निष्ठा से कार्य करता है उसको सफलता रूपी भगवान अवश्य मिलता है, स्मार्ट फोन से विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा और विद्यार्थियों का अध्ययन करना ही मूल तपस्या है सदचरित्र आत्मसम्मान और सामाजिक भावना का विकास हो सके जिससे व्यक्ति सत्य व असत्य का भेद कर सके व आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो सके। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण शास्त्री जी ने कहा , स्नातक का मतलब भारत का सर्वोच्च प्रशासनिक पद का पात्र होना। सभी विद्यार्थी अपने ज्ञान की पुनरू आवर्तित से ज्ञान प्राप्त करते है।

जॉब फेयर आयोजन हेतु छात्रों की समितियां गठित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल मे आने वाले जॉब फेयर की तैयारियों हेतु छात्र सदस्यों की एक आवश्यक बैठक दोपहर 2 बजे आयोजित की गयी। इस पर अभी तक की तैयारियों की गहन समीक्षा की गयी और आगे की रणनीति पर विचार किया गया। साथ ही साथ जॉब फेयर के सफल आयोजन हेतु छात्रों की समितियां गठित की गयी जिसमे बीटेक कंप्यूटर साइंस और इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के नये छात्र सदस्यों को सी. टी. पी. सी. मे जोड़ा गया एवं गूगल डेवलपर स्टूडेंट्स क्लब के सदस्यों को डीएसए कांटेस्ट जो की 13 फरवरी को आयोजित किया गया है उसके आयोजित कराने हेतु टी शर्ट एवं पहचान पत्र देकर सम्मानित किया गया । उक्त बैठक मे सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के समनव्यक प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा नये छात्रों के जुड़ने से जॉब फेयर मे कार्यों का संपादन करने मे आसानी होगी।

इस बैठक में डॉ द्विवेंदु मिश्रा (सहायक समनव्यक), श्री श्याम त्रिपाठी (प्रभारी), यत्नदीप दुबे (को लीड जी. डी. एस. सी.), सरिता सिंह, प्रकृति गुप्ता, विनीत, विकास, रिचा, जयंती, सोनम, शुभम, हर्ष, आयुष, युगांत्रा, श्रेया, आदित्य और कई छात्र उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार के रवैये से जनता त्रस्त – पूर्व मंत्री

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर चल रहे पीडीए पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत अयोध्या विधानसभा के ग्रामसभा खजुरावन में आयोजित चौपाल को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन ने कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता त्रस्त है महंगाई चरम सीमा पर है उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार से निजात चाहती है लोकसभा के चुनाव में अयोध्या जनपद से समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी विजयी होगा।सभी कार्यकर्ताओं को अभी से ही लोकसभा चुनाव के तैयारी में लग जाना चाहिए और सपा सरकार की जन कल्याण नीतियों को आम जनता तक पहुंचना है पूर्व मंत्री द्वारा अयोध्या विधानसभा के नव नियुक्त पदाधिकारियो को मनोनयन पत्र वितरित किया गया तथा बड़ी संख्या में महिलाओं को कम्बल वितरित कर ठण्ड से बचाव हेतु राहत पहुँचाया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव , ने कहा कि जब भी समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है प्रदेश में सर्वाधिक विकास हुआ है जनता आज भी समाजवादी पार्टी को आशा भरी निगाहों से देख रही है आने वाले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सर्वाधिक सीट जीतकर केंद्र की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभायेगी।सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज के कार्यक्रम में आए हुए सभी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव जीतने का संकल्प लिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता परमेश्वर वर्मा , संचालन प्रधान राजेश कोरी ने किया तथा इस अवसर पर आशीष वर्मा , जिला उपाध्यक्ष राजेश वर्मा , चौधरी बलराम यादव विधानसभा अध्यक्ष रक्षाराम यादव , पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शिवबरन यादव , विधानसभा उपाध्यक्ष जगदीश यादव , ब्लॉक अध्यक्ष तरजीत गौड़ , विधानसभा उपाध्यक्ष लाल बहादुर शुक्ला , विधानसभा महासचिव गोपीनाथ वर्मा , रामभवन यादव पार्षद, राम अजोर यादव , पूर्व पार्षद बाबूराम कनौजिया , रामयज्ञ शर्मा , कन्हैयालाल वर्मा , सूबेदार यादव , त्रिभुवन यादव , शिव पूजन वर्मा , राजेश यादव , शमशेर यादव, शैलेंद्र तिवारी , संग्राम पटेल , उदल यादव प्रधान , बंसराज चौरसिया , सुरेंद्र वर्मा , लल्लन कोरी प्रधान , सुरेंद्र यादव, पूर्व प्रधान राजेश यादव , एडवोकेट राम आसरे कोरी सहित समाजवादी पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ता–पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जनता की समस्या से रूबरू होकर उसका जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा – सिटी मजिस्ट्रेट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में नए सिटी मजिस्ट्रेट के रूप में पदभार ग्रहण किया है इंद्र भुवन सिंह ने पत्रकारो से वार्ता करते हुए बताया कि वह मूलत बिहार के खगरिया जिले के रहने वाले हैं ,1996 बैच के नायब तहसीलदार के रूप में उन्होंने प्रशासनिक सेवा में अपना पदार्पण किया उन्होंने बताया कि मुरादाबाद मंडल के बिजनौर जिले सहित सहारनपुर, नोएडा ,पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में उन्होंने अपनी सेवा दी है वह मथुरा से स्थानांतरित होकर जौनपुर में आए हैं अपनी शिक्षा के बारे में उन्होंने बताया कि वह भागलपुर विश्वविद्यालय से केमिस्ट्री से एमएससी है और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से उन्होंने बीएड किया है। 6 फरवरी को जौनपुर में सिटी मजिस्ट्रेट के रूप में उन्होंने पदभार ग्रहण किया अपनी प्राथमिकता के बारे में उन्होंने बताया कि शहर के अंदर अतिक्रमण और ट्रैफिक व्यवस्था उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी ध्वनि प्रदूषण पर बोले की सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देश के अनुसार रात के 10:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक किसी भी स्थान पर ध्वनि प्रदूषण पर पूर्णत रोक रहेगी जो भी शहर के अंदर ध्वनि विस्तारक यंत्र वगैरह बज रहे हैं वह मानक के अनुरूप बजाए जाये अन्यथा ऐसे लोगो पर कानूनी कार्यवाही होगी। जमीनी विवाद को प्राथमिकता के स्तर पर सुलझाया जाएगा किसी को भी जमीनी विवाद में अवैध कब्जा नहीं करने दिया जाएगा।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में प्रतिभाग करने वाले स्वयंसेवकों का महाविद्यालय में हुआ भव्य स्वागत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव, महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ विजय प्रताप सिंह एवं प्राचार्य डॉ अल्केश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में चितकारा विश्व विद्यालय राजपुरा पंजाब में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में बयालसी पी.जी .कॉलेज जलालपुर जौनपुर के स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण के उपरांत वापस आने पर भव्य स्वागत किया गया । राष्ट्रीय एकीकरण प्रशिक्षण शिविर मे स्वयंसेवकों को राष्ट्र की एकता, अखंडता ,प्रभुता ,देश प्रेम ,देश सेवा एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए रखने के लिए युवाओं को प्रेरित एवं जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया था । पायल विश्वकर्मा, वेद प्रकाश सिंह एवं विकास महाविद्यालय की ओर से इस प्रशिक्षण में प्रतिभाग किये। यह महाविद्यालय परिवार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि और गौरव शाली पल है। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ अखिलेश चन्द्र सेठ ,डॉ संजय नारायण सिंह ,पूर्व वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार ,कार्यक्रम अधिकारी डॉ जगत नारायण सिंह ,श्री सोमारु राम ,श्री कृष्ण कुमार सिंह, श्री हिमांशु कुमार ,डॉ सुनील कुमार मौर्य, श्री प्रमेय कुमार सिंह ,श्री भूपेंद्र प्रताप सिंह, श्री विनय कुमार सिंह, श्री संतोष कुमार सोनकर ,सोमारू दादा, विनय कुमार शर्मा ,बफाती अली,श्री मनोज कुमार यादव ,युधिष्ठिर कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

14 मार्च को लखनऊ में होगा विशाल धरना प्रदर्शन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, जनपद शाखाओं के प्रतिनिधियों एवं संयुक्त परिषद से संबद्ध संगठनों के अध्यक्ष/महामंत्रियों की एक आवश्यक बैठक आज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी की अध्यक्षता में संयुक्त परिषद के कार्यालय लखनऊ में संपन्न हुई। यह जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संयुक्त परिषद की महामंत्री अरुणा शुक्ला ने दिया है। अरुणा शुक्ला ने कहा है कि बैठक के बाद सम्मानित पत्रकारों को संबोधित करते हुए संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया कि कर्मचारियों की कतिपय मांगे जिनमें एनपीएस के अंतर्गत केंद्र सरकार में किए गए संशोधनों को लागू कराया जाना, लैब टेक्नीशियन फाइलेरिया निरीक्षक, ईसीजी टेक्निशियन, खाद्य एवं रसद विभाग के आपूर्तिध विपणन निरीक्षक ,सहायक चकबंदी अधिकारी सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियां सम्मिलित हैं, पर निर्णय कराया जाना, 2016 तक नियमानुसार चयन समिति के माध्यम से चयनित किए गए संविदा कर्मियों को नियमित किया जाना, आउटसोर्स कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन निर्धारित किया जाना, विभिन्न सरकारी विभागों के कार्यों में कार्य कुशलता लाने के लिए सेवा निवृत्त कर्मचारियों की सेवा निवृत की अध्यक्षता में निगरानी समिति का गठन किया जाना, पदोन्नति के रिक्त पदों को भर जाना, विभिन्न विभागों में विभिन्न संवर्गों के खाली पदों को भरा जाना,आशा बहुओं को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाना, उनको न्यूनतम 18000 का वेतन दिया जाना, खाद्य रसद विभाग में कैडर रिव्यू कराया जाना, लिपिकीय संवर्ग का पदोन्नति कोटा बढ़ाया जाना , महिला बाल विकास विभाग में वन स्टॉप सेंटर के क्रियाशील करने से उत्पन्न हुई संविदा कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण कराया जाना, शिक्षणेत्र कर्मचारियों को सेवा निवृत्ति पर 300 दिनों का अवकाश नकदीकरण दिया

जाना , नगरीय परिवहन सेवाओं में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की सेवाओं का संरक्षण किया जाना आदि समस्याओं पर विचार विमर्श कर समीक्षा की गई। अधिकतर समस्याओं पर मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिव कार्मिक के स्तर पर बैठके हो चुकी हैं, फिर भी आदेश जारी नहीं हो रहे हैं। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष ने अवगत कराया की संयुक्त परिषद ने तीन चरणों में आंदोलन करने का निर्णय लिया है, जिसमें पहले चरण में 4 मार्च को संयुक्त परिषद की जनता शाखाओं द्वारा जनपदों में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। दूसरे चरण में 14 मार्च को लखनऊ में विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा, तीसरे चरण में 15 मार्च से 45 दिन तक संयुक्त परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी जनपदों ध्मंडलों में भ्रमण कर प्रेस वार्ताएं करेंगे एवं कर्मचारियों को जागरूक करेंगे। उपस्थित पदाधिकारियों ने कर्मचारी कर्मचारियों की मांगों के प्रति विभागीय उदासीनता के प्रति चिंता व्यक्त किया। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि यद्यपि मुख्यमंत्री जी एवं मुख्य सचिव कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए लगातार आदेश कर रहे हैं लेकिन विभागीय स्तर पर कर्मचारियों की समस्याओं का संज्ञान नहीं लिया जा रहा है जिसके कारण कर्मचारियों में असंतोष है एवं आंदोलन की स्थिति बन रही है। संयुक्त परिषद की महामंत्री अरूणा शुक्ला ने अवगत कराया की कर्मचारियों की समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही के लिए संयुक्त परिषद ने एक बार फिर जन जागरण का निर्णय लिया है । संयुक्त परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने नारायण जी दुबे ने कहा कि इस बार चुनावी वर्ष है और कर्मचारियों की न्याय उचित मांगों पर निर्णय अवश्य हो जाना चाहिए ।पुरानी पेंशन की बहाली का मुद्दा भी काफी दिनों से ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है जबकि इस पर लगातार संघर्ष हो रहा है। आज की कार्यकारिणी की बैठक में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के उपाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया ,ओमप्रकाश पांडे, कोषाध्यक्ष नितिन गोस्वामी, वीरेंद्र वीर यादव ,सहदेव सचान, कुसुम लता यादव , निरुपमा सिंह सहित दर्जनों वरिष्ठ प्राधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किया।

23 फरवरी को करो आंदोलन की तैयारी - दिवाकर सिंह (प्रांतीय अध्यक्ष)

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल सर्विसेज एसोसिएशन के आवाहन पर उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं /मांगों को लेकर, फेडरेशन, सम्बद्ध संगठनों तथा सहयोगी संगठनो के प्रांतीयध्क्षेत्रीयध जनपदीय कार्यकारिणी एवं सदस्यों की दिनांक 23 फरवरी 2024 को बैठक/सम्मेलन आहूत कर संघर्ष/आन्दोलन के संबंध में विचार–विमर्श किये जाने हेतु आज दिनांक 11.02.2024 को पूर्व निर्धारित समय दोपहर 01:00 बजे से फेडरेशन के प्रांतीय कार्यालय में बैठक एवं प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षत श्री दिवाकर सिंह, प्रांतीय अध्यक्ष एवं संचालन श्री संदीप कुमार पांडे, प्रांतीय वरिष्ठ उपध्यक्ष द्वारा की गयी । इस अवसर पर फेडरेशन के प्रांतीय संरक्षक श्री नरेंद्र प्रताप सिंह, श्री राम विरज रावत एवं श्री कमलेश मिश्रा संरक्षण गण की गरिमामई उपस्थिति रही। बैठक में श्री दिवाकर सिंह जी द्वारा पुरानी पेंशन बहाली, कोरोना काल में 18 महीने के रोके गए महंगाई भत्ते, विशेष वेतन ध् भत्ते जैसे परिवार नियोजन भत्ते, सी० सी० ए०, पुलिस विभाग के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्ते व अन्य विशिष्ट भत्तो समेत सचिवालय भत्ता रोका गया था जिसमें से केवल सचिवालय भत्ता ही बहाल किया गया और शेष भत्ते बहाल नहीं किए गए जिसका बहाल किया जाना न्यायोचित एवं आवश्यक है , आठवे पे कमीशन का गठन किया जाना, मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों की समस्याओं जैसे वेतन विसंगति , मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का पुनर्गठन करते हुए न्यूनतम शैक्षिक अर्हता ग्रेजुएट एवं 2800 ग्रेड पे कराया जाना, प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी भर्ती पर रोक हटाई जाये और नियमित भर्तियाँ की जाये । श्री राजिव यादव प्रदेश अध्यक्ष एवं श्री अरविन्द कुमार धनगर, प्रदेश महामंत्री द्वारा माँग की गयी कि प्रदेश में विगत 6 वर्षों के अधिक समय से दैनिक वेतन भोगीध वर्क चार्ज के तर्ज पर रखे गए, आउटसोर्स एवं संविदा के कार्मिकों को, मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार प्रांत के तर्ज पर विनियमितीकरण किया जाए तथा उससे कम सेवा वाले कार्मिकों को सामान कार्य का समान वेतन के तर्ज पर न्यूनतम सम्मानजनक धनराशी रु० 25000 अनुमन्य कराया जाये ९ बैठक में श्रीविनोद कनौजिया कार्य कारी प्रान्तीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल सर्विसेज एसोसिएशन एवं प्रांतीय अध्यक्ष भण्डार कर्मचारी संघ द्वारा शासन के आदेशानुसार भण्सडार सम्बंधित समस्त कार्य सिर्फ भण्डार कार्मिकों से कराये जाये, विथ मटेरियल अनुबंधों पर पाबंदी लगाई जाये जिससे निर्माण कार्यों में न्यूनतम धनराशी पर सामग्री क्रय कर उच्चतम गुणवत्ता के सामग्रियों का प्रयोग किया जाये, प्रदेश के सभी विभागों में स्टोर सम्बंधित कार्यों हेतु नविन पदों का सृजन किया जा सके जिससे केंद्र के तर्ज पर ऐसे कार्यों में लगाये गए अधिक वेतन वाले कार्मिकों (अवर अभियन्ता) के स्थान पर कम वेतन वाले स्टोर सम्बन्धी कार्मिकों से कार्य लेते हुए राजकीय अपव्यय से बचा जा सके।

चित्रांश सेवा ट्रस्ट ने किया विहिम पदाधिकारियों का स्वागत

कायस्थ समाज की समाज में मुख्य भूमिका – केसी श्रीवास्तव

कायस्थ समाज के लोग उच्च पद पर है आसीन – कैलाश लाल श्रीवास्तव

अयोध्या। चित्रांश सेवा ट्रस्ट ने विश्व हिन्दू महासंघ के पदाधिकारियों का चित्रगुप्त मंदिर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया।संगठन के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विहिम के गोरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण दूबे को गणेश जी प्रतिमा देकर व अंग वस्त्र देकर सम्मानित कियाध। इस मौके पर चित्रांश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष केसी श्रीवास्तव ने कहा कि आज से नहीं आदिकाल से कायस्थ समाज का समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज के लोग हर क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं।इसी कड़ी में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी कैलाश लाल श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज के लोग सिर्फ अपने देश में ही बल्कि विदेशों में भी हर क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के लोग चिकित्सा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, कला, इंजीनियर,सेना सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।इस मौके पर उन्होंने चिकित्सक डा अंजलि श्रीवास्तव और विहिम की मातृशक्ति जिलाध्यक्ष पल्लवी वर्मा को चित्रगुप्त भगवान का चित्र देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रहे कैलाश लाल श्रीवास्तव ने वहां पर मौजूद सभी लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विहिम के जिलाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष बालकराम गांधी,धर्माचार्य प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष महंत पाटेश्वरी दास व राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय, मातृशक्ति की जिला उपाध्यक्ष अमिता सिंह, रेनू जायसवाल, प्रज्ञा श्रीवास्तव, डा रोली श्रीवास्तव, सुमन गुप्ता, शैलेश श्रीवास्तव,विजय श्रीवास्तव आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्डियक अटैक में सीपीआर देकर बचाई जा सकती है मरीज की जान - डा. गौरव श्रीवास्तव

कोरोना के बाद से हार्ट अटैक के मामले में हुई बढ़ोतरी – डा. रिद्धिमा श्रीवास्तव

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोरोना काल के बाद से हार्ट अटैक के मामलों में काफी वृद्धि हुई है। अटैक के दौरान अगर समय रहते मरीज को नजदीकी व हृदय रोग विशेषज्ञ के नही ले जाया गया तो उसकी मौत भी सकती हैं। यह बातें शहर के माने जाने चिकित्सक डॉ गौरव श्रीवास्तव व डॉ रिद्धिमा श्रीवास्तव, डॉ अजय तिवारी, डॉ अमित तिवारी ने संयुक्त रुप से बताई। बताया कि अगर जिसको हार्ट अटैक आये तो उसके जीवन के लिए पहला तीन मिनट गोल्डन समय है।अगर देखा जाए तो कोरोना काल के बाद से कार्डियक अरेस्ट के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। डॉ गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि आजकल व्यायाम और नृत्य करते समय भी लोगों को दिल का दौरा पड़ रहा है।ऐसी घटनाओं में देश के विभिन्न हिस्सों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है।ऐसे समय में सीपीआर देने की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को होनी चाहिए।बताया कि कार्डियक अटैक के मरीजों के लिए पहला तीन मिनट गोल्डन टाइम होता है।अगर नौ मिनट तक मस्तिष्क को ऑक्सीजन नहीं मिले तो व्यक्ति ब्रेन डेथ का शिकार हो सकता है।उस समय मरीज को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) दिया जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। डॉ रिद्धिमा श्रीवास्तव ने बताया कि सीपीआर एक मेडिकल थेरेपी की तरह है।इससे हार्ट अटैक आने पर मरीज को सीपीआर देते हुए अस्पताल पहुंचाया जाता है।सीपीआर तब तक देते रहना चाहिए जब तक एंबुलेंस न आ जाए या मरीज अस्पताल या विशेषज्ञ चिकित्सक के पास नहीं पहुंच जाए।ऐसा करने से मरीज के बचने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।उन्होंने बताया कि अगर व्यक्ति की सांस सा धड़कन रुक गई है तो ऑक्सीजन की कमी से शरीर की कोशिकाएं बहुत जल्द खत्म होने लगी है। इसका असर मस्तिष्क पर भी पड़ता है।सही समय पर सीपीआर और इलाज शुरू नहीं होने पर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। इस विधि से व्यक्ति की सांस वापस लाने तक या दिल की धड़कन सामान्य हो जाने तक छाती को विशेष तरीके से दबाया जाता है।डॉ अजय तिवारी ने बताया कि सीपीआर के लिए सबसे पहले पीड़ित को किसी ठोस जगह पर लिटा दिया जाता है और प्राथमिक उपचार देने वाला व्यक्ति उसके पास घुटनों के बल बैठ जाता है।उसकी नाक और गला चेक कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उसे सांस लेने में कोई रुकावट तो नहीं है।इसके बाद अपने दोनों हाथों की मदद से विशेष तरीके से एक मिनट में 100 से 120 बार छाती के बीच में तेजी से दबाना होता है। हर एक पुश के बाद छाती को वापस अपनी सामान्य स्थिति में आने देना चाहिए।इससे शरीर में पहले से मौजूद रक्त को हृदय पंप करने लगता है।30 बार पुश करने के बाद मुंह पर साफ रूमाल रखकर दो बार सांसें दी जाती हैं। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह शुरू होता है और मस्तिष्क को ऑक्सीजन मिलने लगती है। डाक्टर अमित तिवारी ने बताया कि कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति की सांस या दिल के रुकने पर उसकी जान बचाने में मदद कर सकती है। जब किसी व्यक्ति का दिल धड़कना बंद कर देता है, तो उसे कार्डियक अरेस्ट कहते हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग हैपिनेस कोर्स ग्रो मी कान्वेंट स्कूल में संपन्न

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई। आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस कोर्स ग्रोमी कान्वेंट स्कूल में आयोजित किया गया। जिसमें पिहानी विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई ने कहा कि द आर्ट ऑफ लिविंग एक बहु पक्षीय, बिना किसी लाभ वाली शैक्षिक और मानवतावादी गैर सरकारी संस्था है जो 156 से ज्यादा देशों में मौजूद है। श्री श्री रविशंकर द्वारा 1982 में संस्थापित है। संस्थापक की हिंसा रहित, तनाव रहित वसुदेव–कुटुम्बकम की दृष्टि से प्रेरित होकर संस्था मानवता के उद्धार और जीवन के स्तर में सुधार की बढ़ोत्तरी की कई पहल करने में लगी हुई है। संस्था का उद्देश्य है कि व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्र और सम्पूर्ण विश्व के स्तर पर शांति स्थापित करना। उसके कार्य क्षेत्र में द्वंद समाधान, आपदा और आघात में सहायता, गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, कैदियों का पुनरूस्थापन, सबके लिए शिक्षा, महिला भ्रूण हत्या के खिलाफ अभियान और बाल श्रमिक और पर्यावरण की निरंतर स्थिरता सम्मिलित है। श्री श्री का शांति का मार्गदर्शक सिध्दान्त कि जब तक हमारा तनाव रहित मन और हिंसा रहित समाज नहीं होगा तो हम विश्व शांति को प्राप्त नहीं कर सकते। शिक्षक खुशी बाजपेई ने कहा कि द आर्ट ऑफ लिविंग कई तनाव निष्कासन और स्वयं के विकास के लिए कार्यक्रम प्रस्तुत करता है जो अधिकांश श्वास तकनीक, ध्यान और योग पर आधारित है। इन कार्यक्रमों ने हजारों लोगों को विश्वभर में निराशा, हिंसा और आत्महत्या करने प्रवृत्ति से निकलने में मदद की है। प्रार्थना और जिम्मेदारी को जोड़ते हुए आर्ट ऑफ लिविंग ने दस लाख से भी अधिक लोगों को विश्व भर में प्रेरित किया है कि वे अपना जीवन मानवता की सेवा और विश्व स्तर पर ध्यान के प्रसार और सेवा के लिए समर्पित करें। अपने सहभागी संस्थाओं के सहयोग द्वारा द आर्ट ऑफ लिविंग इन क्षेत्रों में कई सामाजिक योजनाओं को सूत्रबद्ध करते हुए क्रियान्वित करती है।शिक्षक आकाश ने कहा कि इस तरह आर्ट ऑफ लिविंग का कैदियों का कार्यक्रम वास्तविक, परिणाम मूलक हल है और समाज में हिंसा के चक्र और विश्व के बढ़ते हुए के सार से निपटता है। इस प्रशिक्षण का परिणाम का एक कठोर अपराधी का संवेदनशील, पक्षतावी और बदला हुआ व्यक्ति है।

देश की राजधानी नई दिल्ली में सम्मानित होंगे खाकी वाले गुरुजी रणजीत यादव

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। देश की राजधानी नई दिल्ली के गोल मार्केट स्थित मुक्त धारा ऑडिटोरियम में 15 फरवरी 2024 को आयोजित एक शाम समाजसेवियों के नाम कार्यक्रम में पुलिस महानिरिक्षक कार्यालय अयोध्या परिक्षेत्र में नियुक्त सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव को सोशल फाइटर अवार्ड–2024 से सम्मानित किया जायेगा। लिप्स एंड बाउंड फाउंडेशन,द ह्यूमन कनेक्ट और विद्या सेवा भारती के संयुक्त तत्वधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस से अयोध्या में नियुक्त उपनिरीक्षक रणजीत यादव और एडीजी जोन आगरा कार्यालय में नियुक्त मुख्य आरक्षी सुंदर सिंह सहित दिल्ली पुलिस के कोतवाली सब्जी मंडी प्रभारी इंस्पेक्टर राममनोहर,मुख्य आरक्षी आशीष दहिया,मुख्य आरक्षी अमित फोगाट,महिला मुख्य आरक्षी कृष्णा,आरक्षी रविन्द्र धारीवाल,महिला मुख्य आरक्षी मधुबाला, मुख्य आरक्षी दिनेश कुमार , मुख्य आरक्षी संदीप सिंह हेलमेट मैन,हिमांचल पुलिस के मुख्य आरक्षी मनोज ठाकुर व हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर अशोक वर्मा,एएसआई पवन कुमार, आरक्षी शमशेर सिंह समेत देश के कुल 37 पुलिसकर्मियों को सोशल फाइटर अवार्ड 2024 से सम्मानित किया जाएगा।

खाकी वाले गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव ने बताया कि तीसरी बार नई दिल्ली में सम्मानित होने का अवसर मिला यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है इसका श्रेय मैं अपने माता पिता परिवार गुरुजनों एवं मित्रों को देता हूँ।

हाइवे सहित अन्य स्थानों पर हुए सड़क हादसे

अयोध्या ।कोतवाली क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर दुर्घटना प्रकाश में आई है , हलांकि हादसों में कोई घायल नहीं हुआ है, केवल वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। पीड़ितों की ओर से दुर्घटना करने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इनायतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम घूरेहटा (पूरे नहली) निवासी विजय कुमार तिवारी का कहना है कि शनिवार की रात वह अपनी कर से माता की दवा कराने के लिए जिला मुख्यालय आ रहा था। इसी दौरान देर रात सुल्तानपुर बाईपास पर सहादतगंज की तरफ से आ रही एक कार यूपी 32 पीई 9451ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। वह अपनी कार से नीचे उतरा तो दुर्घटना करने वाला मौके से वाहन समेत भाग निकला। नगर कोतवाली पुलिस ने संबधित वाहन और उसके चालक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं मकबरा क्षेत्र में भाजयुमो पदाधिकारी की स्कार्पियो से हुई आलू लदी तीन पहिया लोडर में टक्कर के मामले में पुलिस ने पीड़ित धीरेन्द्र कुमार निवासी मुडाडिहा बनगाई थाना धानेपुर जिला गोण्डा की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पीड़ित का आरोप है कि रात करीब 10.30 बजे वह मकबरा के पास वाहन खड़ाकर बगल में पेशाब कर रहा था, इसी दौरान स्कार्पियो यूपी 42 बीएम 9242 के चालक ने टक्कर मार उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया।

65 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न हुई आरओ व एआरओ की परीक्षा

अयोध्या। रविवार को समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा 65 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो पालियों में सकुशल सम्पन्न हो गई ।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में प्रतियोगी परीक्षा प्रभारी मोती लाल मौर्या ने बताया कि जिले में इस परीक्षा में कुल 29,185 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 18,600 परीक्षार्थी शामिल रहे।जबकि शेष 10,585 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।इस तरह इस परीक्षा में कुल 63.73 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 36.26 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।इस संबंध में उन्होंने बताया कि सबसे अधिक परीक्षा छोड़ने वाले परीक्षार्थी यदुवंश आदर्श इंटर कालेज कटरौली सोहावल परीक्षा केंद्र पर रहे। इस परीक्षा केंद्र पर 480 परीक्षार्थियों में से 271 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही सबसे कम परीक्षार्थी साहबदीन बालिका इंटर कालेज साहबगंज में 384 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 101 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।उन्होंने बताया कि 65 परीक्षा केंद्रों में 4 परीक्षा केन्द्र राजकीय शिक्षण संस्थान,18 सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान तथा 43 वित्त विहीन शिक्षण संस्थान शामिल रहे।जिसमें 50 प्रतिशत परीक्षक शिक्षा विभाग द्वारा तथा शेष 50 प्रतिशत परीक्षक उक्त परीक्षा केंद्रों पर तैनाती की गई थी।उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर एक एक सह परीक्षा केन्द्र प्रभारी तैनात रहे। बताते चलें कि यह परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक तथा दूसरी पाली में दोपहर दो बजकर तीस मिनट से तीन बजकर तीस मिनट तक सम्पन्न हुई।परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये जिलाधिकारी के आदेश पर 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 65 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में मिला विवाहिता का शव, आत्महत्या की आशंका

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार।मिल्कीपुर, अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत निमड़ी पूरे पिलाई गांव के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का शव खेत में मिला। विवाहिता की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव व क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा के बाद पोस्टमार्टम को भेज कर घटना की गहन छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि विवाहिता की मौत का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का शव खेत में पड़ा मिलने के बाद मृतका के भाई की तहरीर पर एक युवक के खिलाफ पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि मृतका के भाई अमरेश यादव पुत्र कंधई निवासी पकड़ी का मठा मंजरे हैंजना कलां, थाना बल्दी राय जनपद सुल्तानपुर ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उनकी बहन आरती देवी पुत्री कंधई की शादी कई साल पूर्व निमड़ी पूरे बक्शी गांव में एक युवक से हुई थी। जिसके बाद बहन ने दो बच्चों को जन्म दिया था। जिसके बाद उनकी बहन को निमड़ी पूरे पिलाई गांव निवासी डॉ बाबूराम यादव पुत्र राम भवन यादव ने अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और विगत एक साल से कोर्ट मैरिज करने का आश्वासन दे रहा था। डॉ बाबूराम यादव द्वारा जब कोर्ट मैरिज करने से इनकार किया गया तो बहन ने जहरीला पदार्थ खाकर मौत को गले लगा लिया। वही वरिष्ठ उपनिरीक्षक ब्रह्म दत्त पाण्डेय ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर पर डॉ बाबूराम यादव के खिलाफ मुकदमा व आईपीसी के तहत केस दर्ज करके विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अंत्योदय से ही सही मायनों मे राष्ट्र का उदय होगा - प्रो0 आशुतोष सिन्हा

–अविवि में पं0 दीनदयाल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं गोष्ठी का आयोजन।

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई गई। अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग मे रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ में श्रद्धांजलि सभा एवं पं0 दीनदयालः जीवन एवं दर्शन" विषय पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ पंडित जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने पंडित दीनदयाल जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए बताया कि उन्होंने जीवन पर्यन्त संघर्ष किया, कभी भी मूल्यों से समझौता नहीं किया और उन्होने नैतिकता का मार्ग नहीं छोड़ा और सदैव राष्ट्रहित मे अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। कार्यक्रम में प्रो0 सिन्हा ने बताया कि पं0 दीनदयाल ने हमे 'एकात्म मानवदर्शन' के रूप मे ऐसा सिद्धांत दिया जिसमें एकात्म मानव के उत्थान से समाज के समग्र विकास की परिकल्पना निहित थी। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा सिद्धांत था जिस पर चलकर समस्त प्रकार की समस्याएं चाहे वे राजनैतिक हो, चाहे आर्थिक या सामाजिक का स्वतः निराकरण हो जाता है। प्रो0 सिन्हा ने बताया कि किसी भी समाज एवं राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं माना जा सकता जब तक अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का समग्र विकास नहीं होगा। अंत्योदय से ही सही मायनों मे राष्ट्र का उदय होगा और यही पंडित जी का सपना था। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि दीनदयाल जी के सपनों को साकार करना देशवासियों का परम कर्तव्य है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग की शिक्षिका डॉ. अलका श्रीवास्तव ने पं0 दीनदयाल के जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण बातों की विस्तार में चर्चा की। शोधार्थी अनिल कुमार ने दीनदयाल के छात्र जीवन से संबंधित बातों को विस्तार से बताया और उससे सीख लेने की बात कहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अलका श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कुशाग्र पाण्डे एवं हीरा लाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

राम कथा पार्क में आयोजित रामोत्सव में मंत्रमुग्ध हुए श्रोतागण

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में सरयू किनारे स्थित राम कथा पार्क में आयोजित रामोत्सव अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रद्धालु राम भजन की धुन पर आह्लादित है। अंतर राष्ट्रीय रामायण और वैदिक शोध संस्थान अयोध्या और संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अपराह्न सत्र में मानस मर्मज्ञ पंडित ऋषिराज त्रिपाठी जी ने अरण्यकाण्ड की कथा सरस अंदाज में सुनाई।जामवंत जी द्वारा हनुमानजी को अपने बल का भान करते हुए कथा को विराम दिया। इसके बाद सायंकालीन सत्र के सांस्कृतिक संध्या में बिहार से आए दल ने राजेश कुमार पांडेय के निर्देशन में ष्बधाई गीतष गया जिस पर महिला कलाकारो ने पीले और हरे रंग के परिधान में भावपूर्ण नृत्य करके सभी को रामलला विराजमान की प्राण प्रतिष्ठा से जोड़ दिया। रामलला के बाद अपने अगली प्रस्तुति में इन कलाकारों ने माता सीता के प्राकट्य को समर्पित झिंझिया लोक नृत्य प्रस्तुत किया। बरसात ना होने पर सर पर मटके रख कर महिलाएं इंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए ये नृत्य करती है।नृत्य करते कलाकारो का अंग संचालन और भाव भंगिमा सभी को मुग्ध कर रही थी। मंच पर उमड़ा उल्लास श्रोताओं को उत्साहित कर रहा था तभी लखनऊ की लोक गायिका नूतन पांडे ने अपने दल के साथ गणेश वंदना षगौरी मईया के अंगना मां नाचे गणेशष से अपनी प्रस्तुति का आरंभ किया। इसके बाद रामलला के नव्य मंदिर में विराजमान होने की भक्तो की प्रतीक्षा को, शबरी प्रतीक्षा से जोड़ते हुए अगला भजन अंचरा से बहारे शबरी, आपन कुटिया हो राम गाकर सभी को भावुक कर दिया। ष्राम सिया के भय मिलन,सब हर्षे होष गाकर सभी को हर्षोल्लासित कर दिया। मौनी अमावस्या की भीड़ से गुलजार अयोध्या के वातावरण को ष्लागल अवधपुर मा मेलाष गाकर कलाकारो ने चरितार्थ कर दिया। मंच से बह रही सुरो की सरिता में श्रद्धालु डुबकियां लगा रहे थे और कलाकार एक के बाद एक राम भजन सुना रही थी। सुरो की ताल पर गहराती रात में मंच पर आए वाराणसी के पंडित गणेश प्रसाद मिश्र, आते ही उन्होंने जैसे ही आलाप लिया पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा। षनिलांबुज श्यामल कोमलांगमष की स्तुति के बाद अपने सधे हुए स्वर में गणेश प्रसाद मिश्र ने भजन ष्भजमन राम चरण सुखदाईष सुनाया तो ऐसा प्रतीत हुआ मानो आत्मा से परमात्मा का मिलन हो गया हो। स्वर साधना, समर्पण और गायकी मिठास एक जादू सा असर कर रही थी। राम नाम की गूंज के साथ कार्यक्रम में कलाकारो का सम्मान निदेशक अंतरराष्ट्रीय रामायण एवम वैदिक शोध संस्थान अयोध्या के निदेशक डा.लव कुश द्विवेदी के निर्देशन में कार्यक्रम समन्वयक अतुल कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन अपने विशिष्ट अंदाज में आकाशवाणी के उद्घोषक देश दीपक मिश्र ने किया। इस अवसर पर पंडित रामजी प्रसाद,पंडित सिया राम शरण, दीपशिखा,रितिका,सुरेश कुमार समेत अनेक संत और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

'मई माह रखी जाएगी धन्नीपुर में मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला निर्माण की नींव, जाने क्या खूबी होगी'

–दुआ और दवा का केंद्र बिंदु होगी मोहम्मद बिन अब्दुल्ला मस्जिद।

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या–उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम से पश्चिम करीब पच्चीस किलोमीटर दूर सोहावल तहसील क्षेत्र की नेशनल हाईवे 27 के किनारे की ग्राम पंचायत धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुला निर्माण की नींव आगामी मई माह में रखी जाएगी। इंडो इस्लामिक कल्चर फाउंडेशन ट्रस्ट की तरफ मस्जिद निर्माण को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। हाल ही में बनाए गए इस मस्जिद समिति के अध्यक्ष हाजी अराफात शेख ने गुरुवार की रात रौनाही गांव के पास स्थिति शाहगदा शाह मजार पर हाजरी देने पहुंचे थे। इस दौरान मस्जिद समिति के अध्यक्ष ने हिन्दुस्तान को मस्जिद निर्माण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आगामी मार्च माह में शुरू होने वाले रमजान के बाद मुंबई में धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण को लेकर सभी पदाधिकारियों व सूफी संतों के साथ एक बड़ी बैठक की जाएगी। इसके बाद मई माह में मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला की नींव रखी जायेगी। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व मस्जिद निर्माण को लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। हाजी अराफात शेख ने बताया कि मुंबई में होने वाली बैठक में मस्जिद निर्माण की नींव रखने को लेकर तारीख निर्धारित की जायेगी। मस्जिद निर्माण के नींव में रखी जाने वाली पहली ईंट मक्का (सऊदी अरब) में शुद्धिकरण के बाद ईंट मुंबई आ चुकी है। मस्जिद निमार्ण समिति के अध्यक्ष हाजी अराफात शेख ने बताया कि मुंबई में साधारण मिट्टी की तैयार करवाई गई ईंट को मक्का शुद्धिकरण ले जाया गया था। जहां आबे जमजम के पवित्र पानी से ईंट का शुद्धिकरण किया गया। इसके बाद वापस आई ईंट को रमजान के पवित्र महीने में मुंबई से अजमेर शरीफ दरगाह ले जाई जायेगी। जहां पर ईंट को इत्र से नहलाकर मुकम्मल किया जाएगा। इसके बाद ईंट को मुंबई वापस लाया जाएगा। फिर ईंट आगामी मई माह के निर्धारित तारीख को मुंबई से धन्नीपुर अयोध्या के लिए हिन्दुस्तान के सूफी के साथ नींव में रखने के लिए लाया जाएगा। मस्जिद समिति के अध्यक्ष ने बताया कि ईंट सोने की नही है। इस्लाम में धार्मिक निर्माण कार्य में सोना जायज नहीं है। सिर्फ ईंट को गोल्डन कलर से सुसज्जित किया गया है। अयोध्या के धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला दुआ और दवा का केंद्र बिंदु होगा। यहां मस्जिद के साथ एक पांच सौ शैय्या का हॉस्पिटल भी बनेगा। समिति के अध्यक्ष ने बताया कि मस्जिद निर्माण के साथ एक कैंसर हॉस्पिटल बनाया जाएगा। जिसमें शुक्ला,पांडेय,गुप्ता के साथ अब्दुल रहमान सहित सभी धर्म संप्रदाय से जुड़े कैंसर पीड़ित मरीजों का मुफ्त इलाज होगा। कैंसर बीमारी से पीड़ित क्षेत्र के लोगों को ईलाज के लिए मुंबई के टाटा हॉस्पिटल नही जाना पड़ेगा। हिंदू समाज से पीड़ित व्यक्ति स्वस्थ होने के बाद इस नेक कार्य के लिए दुआ करेंगे। राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद के फैसले के साथ 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को अयोध्या जिले में पांच एकड़ मस्जिद निर्माण के लिए जमीन देने का आदेश पारित किया था। जिसके क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर धन्नीपुर में पांच एकड़ जमीन मस्जिद निर्माण के लिए निर्धारित की गई है। वहीं अब मस्जिद निर्माण के साथ बनने वाले हॉस्पिटल और शुद्ध शाकाहारी रसोई निर्माण को लेकर पांच एकड़ जमीन नाकाफी साबित हो रही है। इसके लिए ट्रस्ट की तरफ से छः एकड़ जमीन की तलाश कर 11 एकड़ में मस्जिद सहित सारे निर्माण की प्रक्रिया पूरी करने की कवायद चल रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।